दैनिक नवज्योति
शरद पूर्णिमा की शुभकामनाएं
Since 1936
जोधपुर, शनिवार
28 अक्टूबर, 2023

कवि रेवतदान चारण जन्म शताब्दी राष्ट्रीय संगोष्ठी 4 से

साहित्य अकादमी एवं राजस्थानी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होगी संगोष्ठी

नवज्योति/ जोधपुर।

राजस्थानी भाषा के ख्यातनाम कालजयी कवि रेवतदान चारण की जन्म शताब्दी पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के

राजस्थानी विभाग एवं साहित्य अकादमी नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राजस्थानी राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 4 नवम्बर से विश्वविद्यालय के केन्द्रीय परिसर स्थित बृहस्पति सभागार में किया जाएगा। संगोष्ठी संयोजक एवं राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया, दो दिवसीय राजस्थानी राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. केएल श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य एवं साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक ख्यातनाम कवि आलोचक प्रोफेसर डॉ. अर्जुनदेव चारण की अध्यक्षता में संपन्न होगा। इस मौके कवि.कथाकार मधु आचार्य आशावादी विशिष्ठ अतिथि एवं साहित्य अकादमी सचिव के. श्रीनिवास राव स्वागताध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र में राजस्थानी रचनाकार डॉ. सोहनदान चारण द्वारा संपादित पुस्तक रेवतदान चारण री टाळवीं कवितावां का लोकार्पण भी किया जाएगा।

चार साहित्यिक सत्र होंगे

डॉ.राजपुरोहित ने बताया, दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन एवं समापन सत्र के अलावा चार साहित्यिक सत्र होंगे। जिसमें राजस्थानी के प्रतिष्ठित लेखक भंवरसिंह सामौर चूरू, नंद भारद्वाज जयपुर, डॉ.मंगत बादल रायसिंहनगर एवं डॉ. मदन सैनी श्रीडूंगरगढ़ अध्यक्षता करेंगे।

समापन समारोह

राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह राजस्थानी भाषा . साहित्य के ख्यातनाम विद्वान प्रोफेसर डॉ. कल्याणसिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य एवं प्रोफेसर डॉ. सोहनदान चारण की अध्यक्षता में 5 नवंबर को दोपहर 3 बजे होगा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शहर के अनेक ख्यातनाम रचनाकार, विश्वविद्यालय शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भाग लेंगे।